विषय : वर्ष 2017-18 में उत्तर मैत्रिक छात्रवृत्ति योजनावार्तगत ऑनलाइन प्राप्त किए जाने वाले आय प्रमाण पत्र का प्रारूप भिजवाये जाने बाबत।

उपरोक्त विषयावलर्गत लेख है कि विभाग द्वारे संचालित उत्तर मैत्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के अलग वर्ष 2017-18 से ऑनलाइन आवेदन पत्रों के साथ संलग्न किये जाने वाले आय प्रमाण पत्र का प्रारूप संलग्न कर प्रेषित है। वर्ष 2017-18 में छात्रवृत्ति योजनाओं के अलग ऑनलाइन किये जाने वाला आय प्रमाण पत्र संलग्न प्रारूप में ही होने पर ही विद्याभिंतों की छात्रवृत्ति स्वीकृत किया जाना सुनिश्चित करें।

(डा. समित शामी)
निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव

प्रतिलिपि : एनालिस्ट कम प्रोग्रामर, मुख्यावास को भेजकर लेख है कि उक्त आय प्रमाण पत्र के प्रारूप को ऑनलाइन छात्रवृत्ति पोर्टल पर वर्ष 2017-18 हेतु अपलोड करवाया जाना सुनिश्चित करें।

(डा. समित शामी)
निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव

Education News Group
आय का घोषणा पत्र
(पिता/माता/पति/पत्नी/संख्यक) हारा भरा जायेगा
उत्तर मंडिर छात्रवृत्ति योजनाओं में वर्ष 2017-18 के लिए
प्राप्त प्रमाण-1

1. प्राप्ति (विवाही के पिता/माता/पति/पत्नी/संख्यक) का नाम
2. विवाही का नाम

3. आय का घोषणा पत्र दे दे वाले का पैन नंबर (50 हजार से अधिक की छात्रवृति के लिए)
4. आय का घोषणा पत्र दे दे वाले का आदेश
5. आय का घोषणा पत्र दे दे वाले का भक्ति नंबर
6. आय का घोषणा पत्र दे दे वाले का मोबाइल नंबर
7. आय का घोषणा पत्र दे दे वाले के समस्त स्वतंत्रित वाणिज्यिक आय के विवरण- (सम्पूर्ण पर चिह्नित करें, राजकीय

| (1) कृपया भुगतान (………………) आदि से आय: र. ... | (2) कृपया, सेवा लाभ, अनुदान, निकाय आदि से आय: र. ...
| (3) पेटेल, पेटेल, भालू, मानदेव, निमित्त, नजरुल आदि से आय: र. ……………………... | (4) मेहदी, किसान, दुकानदार, कारोबार, व्यवसाय या आदि, लाभांश से आय: र. …………………
| (5) अन्य स्वतंत्र आदि से आय: र. ……………………... | जुलू वाणिज्यिक आय: र. …………………

मे प्रमाणित करता/करती हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरे जानकारी एवं विवाही के अनुसार सही है।

दिनांक: ………………………

हस्ताक्षर: ………………………

आय की घोषणा करने वाले का नाम ………………………

में विवाही से संबंध

प्राप्त प्रमाण-2
(वर्तमान वर्तमान राज्यों के साथ प्रमाण-पत्र)
हम शास्त्री पूर्वक बयान करते हैं कि प्राप्ति / प्राप्ति ……………………… पूर्व / पूर्व / पती / पत्नी से निष्पादित की जा रही है। क्षमा कीजिए, प्राप्ति / प्राप्ति का पूर्व स्वीकार कर देंगे।

(1) हस्ताक्षर/उत्तरदायी व्यक्ति (पद नाम दिनांक एवं मो.ज.)
(2) हस्ताक्षर/उत्तरदायी व्यक्ति (पद नाम दिनांक एवं मो.ज.)

गौटा-(उत्तरदायी व्यक्ति या संसद सदस्य)/विवाही सदस्य/विवाही प्रमुख/प्रमुख/विवाही पटा/विवाही नगर निगम/नगर पालिका अधिकारी, उपाध्यक्ष/उपाध्यक्ष बांधकार/बांधकार राजकीय अधिकारी, राजकीय अधिकारी (क्षमा कीजिए), संबंधित करार)

प्राप्त प्रमाण-3 (संबंध-पत्र)
मे ……………………… पूर्व/पूर्व/पती/पत्नी से शास्त्रपूर्वक उद्धोषणा करता/करती हूँ कि मेरे / मेरी एवं मेरे पति/पत्नी की (जो भी लागू) समस्त स्वतंत्री से दूत वाणिज्यिक आय: र. ……………………... आदि से शास्त्रपूर्वक उद्धोषणा करता/करती हूँ कि मेरे / मेरी एवं मेरे पति/पत्नी की (जो भी लागू) समस्त स्वतंत्री से दूत वाणिज्यिक आय: र. ……………………...

उक्त शास्त्र-पत्र मेरी निजी जानकारी से दिखाया गया है, जो सही है। इसमे कोई तक्ता नहीं दुसुष्का गया और ही ही अनुसार स्थापित है। यदि स्थापित है। इस संदर्भ पर आदेश होगा एवं शास्त्रपूर्वक उद्धोषणा वाणिज्यिक आय का मान अवस्था मिथ्या होना अवस्था किसी तरह का उपलब्ध कर नहीं। किसी तक्ता को दुसुष्का होने पर चेतना करना, व्यापक तरिका पर चेतना करना, सरकार को गुप्त रूप से प्रमाण देने वाले भारतीय राज्य संविधान अनुसार धाराओं 177, 197, 198, 199, 200 एवं 420 के अनुसार दुसुष्का राज्य की महत्त्व की स्पष्टी भी नहीं है। मेरे, यह अवस्था तरह समझाता हूँ कि मेरे हारा उपरोक्त कृपया करने पर मेरे विवाही उपरोक्त धाराओं मे पूर्वदायी मुक्तानुसार उद्धोषणा कर नहीं कर सकता है तथा दोषी पाए पाए जाने पर मुख्य 3 से 7 दिनों तक के कारणस्त्र का सजा सकती है।

हस्ताक्षर एवं नाम शास्त्रपूर्विता

प्राप्त प्रमाण-IV (प्रमाणीकरण)
उपरोक्ता (संबंधक का नाम) ………………... पिता/पति का नाम ………………...

आय: ………………... विवाही की निवासी के नये समय उपरोक्त होकर शास्त्रपूर्वक उद्धोषणा अभिवधान किया है, जिसे प्रमाणीकृत कर पहचान मेरे का हारा की गई है।

हस्ताक्षर